भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 149

उत्तर देने की तारीख: 18.11.2019

साक्षरता

149. श्री रामदास तडसः
श्री अजय निषादः
श्री संगम लाल गुप्ताः
श्री सी॰पी॰ जोशीः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के अंतर्गत प्राप्त साक्षरता प्रतिशत विगत तीन वर्षों के दौरान निर्धरित लक्ष्य से कम रहा है;
(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षो के दौरान निर्धारित किए गए लक्ष्य तथा महाराष्ट्र में इसकी उपलब्धियों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) विगत तीन वर्षो के दौरान साक्षरता हासिल करने वाली महिलाओं की राज्य-वार संख्या क्या है;
(घ) वर्तमान विद्यालय भवन और सामुदायिक केन्द्रों जिसका इस्तेमाल सायंकाल में विद्यालयी छात्रों के अध्ययन केंद्र के रूप में किया जा रहा है, का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
(ङ) राष्ट्रीय साक्षरता मिशन (एनएलएम) हेतु विगत तीन वर्षों के दौरान स्वीकृत निधि और व्यय की गई निधि के ब्यौरे के साथ उपरोक्त योजना के अंतर्गत अभी तक प्राप्त उपलब्धियों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
(च) क्या सरकार द्वारा महिला प्रौढ़ शिक्षा के न्यून स्तर तथा विद्यालय छोड़ने की प्रवृत्ति रोकने के लिए राज्यों को विशेष सहायता प्रदान किया जाना प्रस्तावित है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(छ) सरकार द्वारा शत-प्रतिशत साक्षरता प्राप्त करने के लिए विगत तीन वर्षों तथा वर्तमान वर्ष में दी गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्री

(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क) और (ख): साक्षरता के उच्च स्तर को चरणबद्ध तरीके से प्राप्त करने के लिए योजनाबद्ध लक्ष्य तय किए गए है। 12वीं पंचवर्षीय योजना अवधि के अंत अर्थात 31.03.2017 तक देश की समग्र साक्षरता दर को बढ़ाकर 80 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया था। देश में साक्षरता आंकड़ों को भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा कराई गई दशकीय जनगणना कार्य के माध्यम से एकत्र किया जाता है। पिछली जनगणना 2011 में कराई गई थी। 2011 की जनगणना के अनुसार आयु समूह 7 और उससे ऊपर के बच्चों की साक्षरता दर दर्शाते हुए राज्य और लिंगवार ब्यौरा **संलग्नक-I** में दिया गया है।

साक्षर भारत कार्यक्रम के तहत 7 करोड़ प्रौढ़ निरक्षरों को साक्षर बनाने के समग्र लक्ष्य की तुलना में लगभग 7.64 करोड़ शिक्षार्थियों ने राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी संस्थान (एनआईओएस) द्वारा अगस्त 2010 से मार्च 2018 के बीच में आयोजित अर्धवार्षिक बुनियादी साक्षरता मूल्यांकन परीक्षा को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया और साक्षर प्रमाणपत्र प्राप्त किया।

साक्षर भारत कार्यक्रम के तहत अगस्त, 2010 से मार्च 2018 के बीच एनआईओएस द्वारा आयोजित अर्धवार्षिक बुनियादी साक्षरता मूल्यांकन परीक्षा में महाराष्ट्र सहित राज्य/संघ राज्यवार घोषित सफल शिक्षार्थियों का ब्यौरा **संलग्नक- II** में दिया गया है।

(ग): वर्ष 2016-17 और 2017-18 के दौरान साक्षर भारत कार्यक्रम के तहत एनआईओएस द्वारा आयोजित अर्धवार्षिक बुनियादी साक्षरता मूल्यांकन परीक्षा में सफल घोषित महिला शिक्षार्थियों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार संख्या दर्शाने वाला विवरण **संलग्नक-III** में दिया गया है। 2018-19 और 2019-20 के दौरान कोई मूल्यांकन परीक्षा नहीं आयोजित की गई क्योंकि साक्षर भारत कार्यक्रम केवल 31.03.2018 तक लागू था।

(घ): सांध्यकालीन कक्षाओं के लिए किसी भी स्कूल और सामुदायिक केंद्र का प्रयोग अध्ययन केंद्र के रूप में नहीं किया जा रहा है।

(ड.): साक्षर भारत कार्यक्रम के तहत पिछले तीन वर्षों के दौरान राज्य/संघ राज्यवार स्वीकृत निधियों को दर्शाते हुए विवरण **संलग्नक-IV** में दिया गया है। वर्तमान वर्ष के दौरान कोई निधि स्वीकृत नहीं की गई क्योंकि साक्षर भारत कार्यक्रम को केवल 31.03.2018 तक बढ़ा दिया गया है। साक्षर भारत कार्यक्रम के तहत अगस्त 2010 से मार्च 2018 के बीच एनआईओएस द्वारा आयोजित अर्धवार्षिक बुनियादी साक्षरता मूल्यांकन परीक्षा में राज्य/संघ राज्यवार सफल घोषित शिक्षार्थियों को दर्शाते हुए एक विवरण **संलग्नक-II** में दिया गया है।

(च): उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए जहां साक्षरता का स्तर कम है, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉकों (ईबीबी) की पहचान की है। शुरू में 307त ईबीबी की पहचान महिला साक्षरता दर राष्ट्रीय औसत के 46.13 प्रतिशत से कम और साक्षरता में जेंडर अंतराल 21.59 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत से अधिक होने के दोहरे मानदंड के आधार पर की गई थी। इन दोनों मानदंडों को भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा निर्धारित किया गया था।

इसके अतिरिक्त, 406 अन्य ब्लॉकों को शामिल किया गया था जिनमें से 404 ब्लॉकों में लैंगिक अंतराल के बावजूद ग्रामीण महिला साक्षरता दर 45 प्रतिशत से कम थी। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल के एक ब्लॉक में 9.47 प्रतिशत एससी ग्रामीण महिला साक्षरता दर भी शामिल की गई थी जिससे ईबीबी की कुल संख्या 3479 हो गई।

बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने ईबीबी में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) को मंजूरी दे दी है।

साक्षर भारत कार्यक्रम के तहत पिछले तीन वर्षों के दौरान राज्य/संघ राज्यवार स्वीकृत निधियों को प्रदर्शित करते हुए विवरण **संलग्नक-IV** में दिया गया है। चालू वर्ष के दौरान कोई धनराशि स्वीकृत नहीं की गई है क्योंकि साक्षर भारत कार्यक्रम को 31.03.2018 तक ही बढ़ाया गया था।

*****

संलग्नक-I

'साक्षरता' के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री रामदास तडस, श्री अजय निषाद, श्री संगम लाल गुप्ता और श्री सी.पी. जोशी द्वारा दिनांक 18.11.2019 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 149 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित संलग्नक।

जनगणना 2011 के अनुसार, 7 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग में देश में राज्य और लिंग-वार साक्षरता दर

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों का नाम	साक्षरता दर		
		व्यक्ति	पुरुष	महिला
	भारत	**72.98**	**80.88**	**64.63**
1.	आंध्र प्रदेश	67. 02	74.88	59.15
2.	अरुणाचल प्रदेश	65.38	72.55	57.70
3.	असम	7 2 .1 9	77.85	66.27
4.	बिहार	61.80	71.20	51.50
5.	छत्तीसगढ़	7 0.28	80.27	60.24
6.	गोवा	88.70	92.65	84.66
7.	गुजरात	8 8.0 3	85.75	69.68
8.	हरियाणा	75.55	84.06	65.94
9.	हिमाचल प्रदेश	8 2 .8 0	89.53	75.93
10.	जम्मू और कश्मीर	67.16	76.75	56.43
11.	झारखंड	66.41	76.84	55.42
12.	कर्नाटक	75. 3 6	82.47	68.08
13.	केरल	94.00	96.11	92.07
14.	मध्य प्रदेश	69.32	78.73	59.24
15.	महाराष्ट्र	82.34	88.38	75.87
16.	मणिपुर	76.94	83.58	70.26
17.	मेघालय	7 4 .4 3	75.95	72.89
18.	मिजोरम	91.33	93.35	89.27
19.	नगालैंड	79.55	82.75	76.11
20.	ओडिशा	72.87	81.59	64.01
21.	पंजाब	75.84	80.44	70.73
22.	राजस्थान	66.11	79.19	52.12
23.	सिक्किम	81.42	86.55	75.61
24.	तमिलनाडु	80. 09	86.77	73.44
25.	त्रिपुरा	87.22	91.53	82.73
26.	उत्तर प्रदेश	67.68	77.28	57.18
27.	उत्तराखंड	7 8.82	87.40	70.01
28.	पश्चिम बंगाल	76.26	81.69	70.54
29.	अंडमान और निकोबार द्वीप	86. 63	90.27	82.43
30.	चंडीगढ़	86. 05	89.99	81.19
31.	दादर और नगर हवेली	76.24	85.17	64.32
32.	दमन और दीव	87. 1 0	91.54	79.55
33.	लक्षद्वीप	91.85	95.56	87.95

34.	दिल्ली	86. 21	90.94	80.76
35.	पुडुचेरी	85.85	91.26	80.67

*****

संलग्नक-II

'साक्षरता' के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री रामदास तडस, श्री अजय निषाद, श्री संगम लाल गुप्ता और श्री सी.पी. जोशी द्वारा दिनांक 18.11.2019 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 149 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित संलग्नक।

राज्य/केन्द्र शासित प्रदेशों के शिक्षार्थियों ने अगस्त, 2010 से मार्च, 2018 के बीच महाराष्ट्र सहित साक्षर भारत कार्यक्रम के तहत सफल घोषित किया

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	सफल घोषित किए गए शिक्षार्थी
1	आंध्र प्रदेश	53,03,140
2	तेलंगाना	47,26,423
3	अरुणाचल प्रदेश	1,52,027
4	असम	7,12,008
5	बिहार	1,54,23,456
6	छत्तीसगढ़	32,68,915
7	दादरा और नगर हवेली	18,333
8	गुजरात	11,33,103
9	हरियाणा	7,81,218
10	हिमाचल प्रदेश	68,238
1 1	जम्मू और कश्मीर	4,78,080
12	झारखंड	41,44,515
13	कर्नाटक	54,03,674
14	मध्य प्रदेश	38,26,564
15	**महाराष्ट्र**	**7,44,215**
16	मणिपुर	1,17,414
17	मेघालय	49,633
18	नगालैंड	1,28,033
19	ओडिशा	13,21,330
20	पंजाब	30,573
21	राजस्थान	83,54,527
22	सिक्किम	17,685
23	तमिलनाडु	25,02,290
24	त्रिपुरा	47,378
25	उत्तर प्रदेश	1,21,71,791
26	उत्तराखंड	4,96,769
27	पश्चिम बंगाल	49,50,661
	कुल	**7,63,71,993**

*****

संलग्नक-III

'साक्षरता' के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री रामदास तडस, श्री अजय निषाद, श्री संगम लाल गुप्ता और श्री सी.पी. जोशी द्वारा दिनांक 18.11.2019 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 149 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित संलग्नक।

साक्षर भारत कार्यक्रम 2016-17 तथा 2017-18 के अधीन एनआईओएस द्वारा करवाए गए अर्धवार्षिक मूल साक्षरता मूल्यांकन परीक्षा में सफल घोषित महिला शिक्षार्थियों की राज्य/संघ शासित क्षेत्र-वार संख्या

क्र.सं.	राज्य	2016-17	2017-18
1	आंध्र प्रदेश	4,71,433	2,28,814
2	तेलंगाना	2,63,464	1,48,826
3	अरुणाचल प्रदेश	12,438	3,513
4	असम	25,881	37,502
5	बिहार	22,71,505	19,33,986
6	छतीसगढ़	1,82,929	86,519
7	दादरा और नगर हवेली	0	0
8	गुजरात	1,62,500	82,640
9	हरियाणा	2,40,326	73,430
10	हिमाचल प्रदेश	10,285	2,101
1 1	जम्मू और कश्मीर	76,177	1,35,575
12	झारखंड	9,07,204	5,05,026
13	कर्नाटक	10,41,146	3,85,504
14	मध्य प्रदेश	10,60,760	5,84,589
15	महाराष्ट्र	1,73,474	71,357
16	मणिपुर	9363	4719
17	मेघालय	11,748	3,675
18	नगालैंड	7855	4,529
19	ओडिशा	3,36,019	27,792
20	पंजाब	0	0
21	राजस्थान	10,90,288	6,80,761
22	सिक्किम	205	0
23	तमिलनाडु	83,199	1,12,109
24	त्रिपुरा	0	0
25	उत्तर प्रदेश	13,23,597	12,00,499
26	उत्तराखंड	43,133	12,833
27	पश्चिम बंगाल	8,68,146	2,33,167
	कुल	**1,06,73,075**	**65,59,466**

*****

संलग्नक-IV

'साक्षरता' के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री रामदास तडस, श्री अजय निषाद, श्री संगम लाल गुप्ता और श्री सी.पी. जोशी द्वारा दिनांक 18.11.2019 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 149 के भाग (च) के उत्तर में उल्लिखित संलग्नक।

साक्षर भारत कार्यक्रम के तहत पिछले तीन वर्षों के दौरान जारी किए गए केंद्रीय शेयर का राज्य/संघ-वार और वर्षवार विवरण

(लाख रुपए में)

क्र.स.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	जारी केंद्रीय अंश		
		2016-17	2017-18	2018-19 *
1	आंध्र प्रदेश	0	1874	0
2	अरुणाचल प्रदेश	31.45	234	579.88
3	असम	0	1033.2	0
4	बिहार	2340	0	525
5	छत्तीसगढ़	1400.1	1248	0
6	दादर और नगर हवेली	29.12	0	0
7	गुजरात	0	0	0
8	हरियाणा	1002.35	499.2	0
9	हिमाचल प्रदेश	0	46.8	0
10	जम्मू और कश्मीर	585	2347.2	264.65
1 1	झारखंड	630.24	0	600
12	कर्नाटक	1934.4	312	0
13	मध्य प्रदेश	4142.75	1725.25	414.64
14	महाराष्ट्र	0	0	1794.81
15	मणिपुर	0	117	20.46
16	मेघालय	0	0	0
17	नगालैंड	0	0	0
18	ओडिशा	153.24	314.76	0
19	पंजाब	0	0	0
20	राजस्थान	152.99	2097.6	0
21	सिक्किम	0	0	8.05
22	तमिलनाडु	878.66	796.8	0
23	तेलंगाना	1560	2496	0
24	त्रिपुरा	0	0	0
25	उत्तर प्रदेश	5100	3744	0
26	उत्तराखंड	0	0	245.48
27	पश्चिम बंगाल	748.8	283.9	0
	कुल	**20689.1**	**19167.71**	**4452.97**

* मिशन के रूप में प्रतिबद्ध देनदारियों का भुगतान 31.03.2018 तक बढ़ाया गया था।

*****